» छह मासिक

दिग्विजय कैम्पस

राजनांदगांव | जनवरी-जून 2025 | वर्ष-8, अंक 19 | (आंतरिक वितरण हेतु)

आज का विकास कल का विनाश न हो -संजय अग्रवाल

क्लाइमेट चेंज को जानने से पहले प्रकृति को जानना आवश्यक है - डॉ. श्याम नारायण लाभ

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव, प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन एवं प्राणी शास्त्र विभाग के तत्वावधान में 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट चेंज' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के शुभारंभ में राजनांदगांव कलेक्टर, संजय अग्रवाल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल, डॉ. श्याम नारायण लाभ, प्राचार्य, आर्मी स्कूल, काठमांडू नेपाल, बबीता लाभ, वरिष्ठ वैज्ञानिक, अराद रोमानिया, डॉ. नेमत राडू लोनल, प्राणी शास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. आर. पी. दीक्षित, दिग्विजय महाविद्यालय प्राचार्य, डॉ. सुचित्रा गुप्ता, सेमिनार संयोजक/विभागाध्यक्ष डॉ. किरण लता दामले, सेमिनार विस्तार संयोजक डॉ. संजय टिसके की उपस्थित में शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में सेमिनार का सोविनियर एवं प्राणी शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. संजय टिसके एवं छात्र गगन सिंह गुरु द्वारा लिखित किताब का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। प्राणी शास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. आर. पी. दीक्षित को लाईफ टाईम अचीवमेंट सम्मान से सम्मिलित किया गया।सेमिनार के मुख्य अतिथि, कलेक्टर, राजनांदगांव संजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य सुविधा भोगी हो गया है और सुविधाओं की जड़ में विनाश है, हमें अपने समाज, देश और ब्रम्हांड के लिए जीना चाहिए, हमें भविष्य के प्रति सतर्क होना चाहिए और आने वाली पीढ़ी को समृद्ध पर्यावरण मिल सके ऐसी कोशिश करनी चाहिए। आगे उन्होंने बताया कि प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण जलवायु परिवर्तन होता है, जिसके कारण बारिश में कमी, तापमान का बढ़ना, मृदा क्षरण, वाटर लेवल में निरंतर कमी इसके प्रमुख परिणाम है आज हम देखते हैं कि एक तरफ बाढ़ की स्थिति है तो दूसरी तरफ जंगलों में आग लगी है। मुख्य वक्ता वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. नेमत राडू लोनल ने पशु कल्याण और ग्रहण प्रजनन कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभाव के संबंध पर गहन जानकारी दिया उन्होंने एंथ्रोपोसेंट्रीक, बायोसेंट्रिक, पैथोसेंट्रिक और जूसेंट्रिक थ्योरी पर गंभीर चर्चा की। इसके साथ ही एथिकल मोटिवेशन, इकोनामिक मोटिवेशन एवं एक्स्ट्राऑर्डिनरी, मेटाबॉलिक आफ इंटेलिजेंस ऑफ काउस को विस्तार से बताया। सत्र के अध्यक्ष डॉ. श्याम नारायण लाभ ने सस्टेनेबल साइंस फॉर सोसाइटी ऑफ्च्यरनिटीज ऑर चैलेंजस विषय पर बोलते हुए कहा कि क्लाइमेट चेंज को जानने से पहले प्रकृति को जानना आवश्यक है अगर मानव प्रकृति को छेड़ता है तो जलवायु परिवर्तन होता है। उन्होंने रोचक प्रसंगों के द्वारा प्रकृति की मूल सिद्धांत, अनेक जलवायु चक्र परिवर्तन के विभिन्न सायकलों के प्रमुख कारकों पर विस्तृत चर्चा की। एवं सस्टेनेबिलिटी की अवधारणा उसके विभिन्न कारकों एबीसीडी मेथाडोलॉजी शोध पत्रों की गुणवत्ता, मौलिकता पर प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने तीन तरफ से जल से घिरे दिग्विजय महाविद्यालय की तुलना जलनारायण से की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्र गुप्ता ने कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण है कि महाविद्यालय द्वारा चौथा अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तनों के कारणों एवं उसके परिणामों को जानना मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है और उसका कर्तव्य है कि वह पर्यावरण की सुरक्षा हेतु सतत सजग रहे एवं उसके विकास के लिए कार्य करें। सेमिनार की संयोजक / विभागाध्यक्ष डॉ. किरण लता दामले ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का स्वागत किया। विभागीय प्राध्यापक एवं सहसंयोजक डॉ. संजय टिसके ने सेमिनार के उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में बताया। तकनीकी सत्र में अनेक प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र का वाचन किया। इस सेमिनार में देश-विदेश के विद्वान प्रतिभागी एवं विद्यार्थीगण हाइब्रिड मोड़ से जुड़े थे। सेमिनार का संचालन डॉ. नीलू श्रीवास्तव और प्रियंका सिंह ने किया।

माइक्रो प्लास्टिक श्वेत प्रदूषण है - किशोर कृष्णानी

दिग्विजय कॉलेज में प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट चेंज विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के द्वितीय दिवस पर मुख्य वक्ता असिस्टेंट डायरेक्टर, आईसीएआर रांची, झारखंड, डीआर. किशोर कृष्णानी ने भारी तत्वों व नैनो व माइक्रो प्लास्टिक विषय पर अपने गहन अध्ययन को साझा करते हुए बताया कि नैनो प्लास्टिक व माइक्रो प्लास्टिक हमारे खाद्य पदार्थों में बहुतायत मात्रा में शामिल है जिसको हम प्रतिदिन कई मात्रा में ग्रहण कर रहे हैं हमारे खाद्य सामग्री दूध पैकेट, पानी की बोतल के माध्यम से हमारे शरीर के अंदर कई प्रकार के दुष्प्रभाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि माइक्रो प्लास्टिक श्वेत प्रदूषण है। वरिष्ठ वैज्ञानिक सीपीपीआरआई, सहारनपुर उ.प्र. डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने कागज का पुनर्चक्रण और एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करना ही सतत विकास का मार्ग है इस विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि कागज पर्यावरण के लिए सर्वाधिक स्थिर उत्पादों में से एक है। पेपर हमारे प्रकृति और पर्यावरण के लिए सहयोगी है। पेपर बायोडिग्रेडेबल व पुनर्चक्रणीय है । सीएसआईआर-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, दोआन पौला, गोवा, वैज्ञानिक समुद्र विज्ञान, डॉ. अश्विनी कुमार ने उत्तर भारतीय महासागर में जैविक उत्पादकता और समुदाय पर वायुमंडलीय धूल की आपूर्ति का प्रभाव के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए बताया। गुरु नानक कॉलेज ऑफ साइंस बख्तरपुर महाराष्ट्र के माइक्रोबायोलॉजी विभाग, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर प्रफुल्ल काटकर, ने संभावित कैंसर रोधी एजेंट के रूप में मानव डीएनए टोपोआइसोमेरेज़ अवरोधक के सम्बंध में अपना अध्ययन को साझा करते हुए बताया कि टोपोआइसोमरेज प्रमुख एंजाइम है जो डीएनए स्ट्रैंड के टूटने और फिर से जुड़ने के माध्यम से डीएनए की टोपोलॉजिकल स्थिति को नियंत्रित करते हैं। डिपार्टमेंट ऑफ़ फॉरेस्ट्री, कोहिमा, नागालैंड, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. मयूर मौसुम फुकन, ने जैव ऊर्जा अनुसंधान के विषय में विस्तार देते हुए कहा कि जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग के चलते इसका भंडारण समाप्ति की ओर है आईईए के अनुसार 2050 तक वैश्विक ऊर्जा का मांग बढ़ जाएगा। भविष्य का आधार है ऊर्जा, ऊर्जा का अति दोहन रोकना भविष्य के लिए अति आवश्यक है। हिस्लोप कॉलेज नागपुर, महाराष्ट्र, प्राणी शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. आशीष झा, ने सतत विकास के लिए मधुमक्खी पालन विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया साथ ही उन्होंने बताया मधुमक्खी पालन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा वर्तमान में मधुमक्खी पालन में हो रहे हैं तकनीकी विकास से शोधार्थी को अवगत कराया ।

शेष न्यूज पेज 5 पर...

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

दिग्विजय कॉलेज में प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट चेंज विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने कहा कि सेमिनार की सार्थकता तब होगी जब इसमें अर्जित ज्ञान को व्यावहारिक रूप से क्रियान्वित करें एवं प्रकृति के सीमित संसाधनों का बेरहमी से इस्तेमाल ना करें। उन्होंने सफल सेमिनार के लिए पूरी आयोजन समिति को बधाई दी। सेमिनार संयोजक डॉ. किरण लता दामले ने तीन दिवसीय सेमिनार का सारांश प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि, त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, नेपाल, डॉ. बबिता लाभ कायस्था ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का मुद्दा वर्तमान में बहुत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक देश प्रकृति का अंधाधुन दोहन कर रहा है, जिसके कारण जलवायु में निरंतर परिवर्तन हो रहा है । जब तक मनुष्य अपने स्वभाव नहीं बदलेगा तब तक प्रकृति संरक्षण असंभव है । हम अपनी संस्कृति से ही पर्यावरण को बचा सकते हैं। डॉ. श्याम नारायण लाभ, त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, नेपाल, डिपार्टमेंट ऑफ़ फॉरेस्ट्री, कोहिमा, नागालैंड, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. मयूर मौसुम फुकन, जिला उप पंजीयक, प्रियंका श्रीरंगे एवं सेवानिवृत्त, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक उषा ठाकुर उपस्थित थीं ।मुख्य वक्ता सीएसआईआर-नीरी, नागपुर, महाराष्ट्र डीआर. प्रशांत थावले ने बायोचार के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि बायोचार एक पदार्थ है। ठह चारकोल के समान होता है। ठह पेट्रोलियम नहीं होता। बायोचार का प्रयोग मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, पौधों की वृद्धि बढ़ाने और फसल को पोषण देने के लिए किया जाता है। बायोचार बनाने की प्रक्रिया को पयरोलिसिस प्रोसेस कहते हैं। सीएसआईआर वैज्ञानिक, नीरी, नागपुर, डॉ. कार्तिक रघुनाथन ने नीरी में जैव प्रबंधन बायोडायवर्सिटी, वेस्टवाटर एवं सीवेज मैनेजमेंट के संबंध में विस्तार से बताया डॉ. डाकेश्वर वर्मा, डॉ. केशव आडिल, रितु देशलहरे, कालिदी, दालेश्वर विश्वकर्मा शोध पत्र का वाचन किया। महाविद्यालय के विभिन्न विभूतियों के नाम पर अतिथियों को अवार्ड प्रदान किया गया ।

शेष न्यूज पेज 5 पर...

दिग्विजय कॉलेज पूरे देश में 28 वें स्थान पर प्लेसमेंट में छ.ग. में प्रथम

दिग्विजय कैम्पस

देश के सरकारी स्वशासी कालेज की रैंकिंग जारी कर दी गई है इसमें राजनांदगांव जिले को पूरे देश में 28 वां स्थान मिला है राष्ट्रिअ स्तर पर 28 वां व प्रदेश में दूसरा स्थान मिला है इस कडी में प्रदेश के बिलासा गर्ल्स कालेज और साइंस कालेज भी शामिल है रायपुर साइंस कालेज 400 अंको के साथ 53 वें स्थान पर है।

एजुकेशन वर्ल्ड से जारी रैंकिंग में प्रदेश के 6 शासकिय महाविद्यालय शामिल है इनमें प्रोफेसरो की कार्य क्षमता, पाठयक्रम का स्तर पठन.पाठन का स्तर, विद्यार्थियों का प्लेसमेंट कालेज में उपलब्ध आधारभूत संरचना, नेतृत्व क्षमता के आधार पर रैंकिंग दी गई है।

दिग्विजय महा. की प्राचार्य डा. सुचित्रा गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में दिग्विजय महा. राजनांदगांव में 5000 से अधिक छात्र छात्राएं अध्ययनरत है जो नई राष्ट्रिय शिक्षा नीति के अर्तगत अध्ययन अध्यापन का कार्य कर रहे है। छात्रों को स्मार्ट क्लास रूम, इंटरनेट, विभागीय प्रयोगशाला, केन्द्रिय प्रयोगशाला, कंप्यूटर साक्षरता के लिये कंप्यूटर लैब, कम्प्यूटराइज्ड लाइब्रेरी, इनडोर खेल आडिटोरियम जो खेल व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो के लिये उपयोग में लाया जाता है सी.सी. टी.व्ही. एन.सी.सी., एन.एस.एस., रेडक्रास, बैचलर आफ जर्नलिज्म, तथा रोजगार ,मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के आधार पर यह पर मूल्यांकन कर यह रैंकिंग जारी की गई।

ज्ञात हो कि महा. के रोजगार ,मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ ने 2015 से 2022-23 तक लगभग 400 से 500 छात्र छात्राओं को कैंपस के द्वारा रोजगार के अवसर मुहैया कराये है। वेदांता, एल.आई.सी, टेक्नोटास्क और आईसीआईसीआई, बालको और जे.के. लक्ष्मी सिमेंट कुछ कंपनीया है जो महा. में कैंपस आयोजित करती हैं रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ कैंपस के अलावा छात्रों के लिये विभिन्न परिक्षाओं की कोचिंग, व्यक्तित्व विकासएवं रोजगारोन्मुखी के व्याख्यान भी आयोजित करता है। यही कारण है कि रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ को प्रदेश में 64 अंको के साथ पहला स्थान प्राप्त हुआ है। प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने इस उपलब्धि के लिए रोजगार प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. संजय टिसके, रजिस्टार दीपक परगनिहा तथा रोजगार प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों को बधाई दी।

रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक को नये उपकरण डिजाइन में मिला पेटेंट

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता के नेतृत्व में रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. डाकेश्वर कुमार वर्मा ने एक और डिजाइन पेटेंट पब्लिश किया है, जिसका शीर्षक प्राकृतिक कार्बनिक यौगिक के सेमी.सिंथेटिक व्युत्पन्न विकसित करने के लिए उपकरण है। इस डिज़ाइन पेटेंट में रासायनिक और मेडिसिन अनुसंधान में उपयोग के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया एक नया उपकरण शामिल है। यह उपकरण प्राकृतिक स्रोतों से उत्पन्न होने वाले यौगिकों के संशोधन और संश्लेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे शोधकर्ताओं को चिकित्सा, कृषि और भौतिक विज्ञान में संभावित अनुप्रयोगों के लिए सेमी.सिंथेटिक व्युत्पन्न बनाने की विधि मिलती है। इस पेटेंट किए गए उपकरण का प्राथमिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला या अनुसंधान वातावरण में इसके कार्य में निहित है जहाँ प्राकृतिक कार्बनिक यौगिकों को रासायनिक रूप से बदला जाता है। प्राकृतिक कार्बनिक यौगिक जैसे कि एल्कलॉइड, टेरपेनोइड और फेनोलिक्स अक्सर पौधों, कवक या सूक्ष्मजीवों से निकाले जाते हैं। इन यौगिकों में जैव-सक्रियताओं की एक विस्तृत श्रृंखला होती है, लेकिन उनके चिकित्सीय गुणों को बढ़ाने, विषाक्तता को कम करने, या घुलनशीलता और स्थिरता में सुधार करने के लिए संरचनात्मक संशोधन की आवश्यकता हो सकती है। डिवाइस को विशेष रूप से ऐसे संशोधनों का समर्थन करने, नियंत्रित प्रतिक्रियाओं को सक्षम करने और अर्ध.सिंथेटिक यौगिक विकास की पुनरुत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस वर्ष में एक दिन नहीं 365 दिन होता है -डॉ. अनिता महिश्वर

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता शंकर के नेतृत्व में अंग्रेजी विभाग में लिटरेरी एसोसिएशन के बैनर तले दिनांक 11 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।

लिटरेरी एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा अंग्रेजी साहित्य की महान लेखिकाओं एवं अंग्रेजी साहित्य में विख्यात महिला चरित्रों को पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से संक्षेप में प्रस्तुत किया। उपरोक्त अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा महिला सशक्तिकरण व समाज एवं परिवार में महिलाओं की भूमिका पर स्वलिखित कविताओं की भी प्रस्तुतियां की गई।

महिला सशक्तिकरण पर एक नृत्य की प्रस्तुति भी अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा की गई। वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. अनिता महिश्वर ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे वर्ष में एक दिन महिला दिवस मनाने की पक्षधर नहीं है, अपितु वे यह मानती हैं कि पूरे वर्ष में 365 दिन महिलाओं को समर्पित हैं।

वर्तमान समय में महिलाएं समाज के विभिन्न वर्गों से सामने आकर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रही हैं और समाज एवं देश की उन्नति में अपना योगदान सिद्ध कर रही हैं। ऐसा कोई क्षेत्र वर्तमान समय में नहीं है जो महिलाओं की पहुंच से दूर हो राष्ट्रपति, वित्त मंत्री, राज्यपाल या फिर एस्ट्रोनॉट, लेखिका, खेलकूद के क्षेत्र में, इंजीनियरिंग में, पायलट या अन्य कोई भी क्षेत्र महिलाएं कहीं भी पुरुषों से कमतर साबित नहीं हो रही हैं। डॉ. अनीता शंकर ने विद्यार्थियों को इतने अच्छे कार्यक्रम के आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी।

डॉ. नीलू श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को इतने कम समय में इतने अच्छे आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए उनकी स्वलिखित कविताओं के वाचन हेतु भी उनकी प्रशंसा की। कार्यक्रम में अंग्रेजी विभाग से सुश्री मंजरी सिंह, डॉक्टर अनीता साहा, डॉ. आराधना गोस्वामी एवं श्रीमती मंजुला सोनी भी उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा में भारतीयों की सादगी झलकती है - डॉ. सुधीर

दिग्विजय कैम्पस

अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ

साहित्य मूर्धन्यों की धरा राजनादगांव के दिग्विजय महाविद्यालय में 13 से 15 फरवरी तक तीन दिवसीय अंतरास्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्घाटन आज 13 फरवरी को किया गया । संगोष्ठी का मुख्य विषय भारतीय साहित्य का वैश्विक स्वरूप चिंतन और विमर्श है, जिसमे देश विदेश से आये ख्यातिप्राप्त विद्वानों, शोधकर्ताओं और प्राध्यापकों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ आर श्रीधर कुलपति, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय साहित्य न केवल अपने संस्कृतिक मूल्यों को संजोय हुए है बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना रही है । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सुचित्रा गुप्ता ने ऑनलाइन माध्यम से की एवं स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। साहित्य के वैश्विक स्वरूप के विषय में प्रकाश डालते हुए उन्होंने तीनों विभाग हिंदी अंग्रेजी एवं संस्कृति को इस संगोष्ठी की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर अनीता महेश्वर ने भी अपना स्वागत है प्रस्तुत किया। वक्ता के रूप में डॉ श्रीराम परिहार वरिष्ठ साहित्यकार, खंडवा ने भारतीय साहित्य, संस्कृति की व्यापकता और वैश्विक प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने ने कहा भाषा मे मान, सम्मान और स्वाभिमान ही हमारी धरोहर है। तत्पश्चात् पुस्तकों का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ नीलू श्रीवास्तव ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अनिता शंकर ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र में शोधार्थियों और शिक्षाविदों ने साहित्य, भाषा और संस्कृति संवाद पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

शेष न्यूज पेज 5 पर...

संगोष्ठी के द्वितीय दिवस

संगोष्ठी के द्वितीय दिवस एवं प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर कुमार, संस्कृत विभाग, जवाहरलाल नेहरू वि. वि. नई दिल्ली उपस्थित रहें। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा का वर्णन करते हुए कहा कि वेद हमारे जीवन जीने की शैली का निर्माण करता हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में भारतीयों की सादगी झलकती है परम्परा हमें प्रकृति को पूजना, पुरानी परंपराओं को जिंदा रखना एवं अंधकार को दूर करना सिखाती है। भारतीय संस्कृति से कई बीमारियों को दूर करने का प्रमाण मिला है इस तरह प्रकृति और संस्कृति के सम्मान से ही व्यक्ति का विकास है। साथ ही कहा कि देश का महा कुंभ भारतीय ज्ञान परम्परा का सबसे बड़ा पक्ष है यहां नाट्य शास्त्र, गीत व सभी प्रकार की परम्परा यहां विद्यमान है। भारतीय ज्ञान परंपरा शिक्षा, चिकित्सा, सिनेमा, आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, व्यावहारिक, सिद्धांतिक, राजनितिक सभी पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रो. आराधना गोस्वामी, व्याख्याता वीरेंद्र साहू, शोधार्थी मोनिका तोलानी, सुष्मिता चौधरी और मनीष कुर्रे, ने शोध पत्रों का वाचन किया।

शेष न्यूज पेज 5 पर...

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में तृतीय दिवस की अध्यक्षता डॉ. पूर्णिमा केलकर संस्कृति विभागाध्यक्ष इंदिराकला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छ.ग.) ने की मुख्य वक्ता डॉ. एस चित्रा भूटान से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ी इन्होंने विचारोत्तेजक सत्र ने विभाजन कथा में भौतिक स्मृति की प्रासंगिकता और महत्व पर गहन प्रकाश डाला, जिसमें उन्होने इसके विकास को प्रथम पीढ़ी के लेखकों से लेकर समकालीन साहित्यकारों तक विस्तृत रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने स्मृति उद्गाल की अवधारणा को रेखांकित किया और यह बताया कि विभाजन के प्रत्यक्ष अनुभवों को पीढ़ी दर पीढ़ी संरक्षित रखने में इसकी क्या भूमिका है। डॉ. पूर्णिमा केलकर ने शोधार्थियों को शोध के क्षेत्र में नए आयाम गढ़ने के लिए प्रेरित किया साथ ही शोधार्थी रश्मी पत्रकारिता विभाग की सराहना करते हुए बताया गया कि पर्यटन पर शोध करना यह बहुत ही बड़ी चुनौती है इसकी प्रवृति का विस्तार काफी व्यापक है। इसलिए कहीं भी जाए सजग रहे और हर क्षेत्र में कुछ नया तराशने का प्रयास करते रहे। डॉ. सुधीर कुमार जे.एन.यू नई दिल्ली ने शोध पत्रों की समीक्षा करते हुए शोध की बारीकियों को बताते हुए सभी को शोध का वाचन के लिए बधाई दी।

शेष न्यूज पेज 5 पर...

ऐतिहासिक पुरातात्विक धरोहर नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक-डॉ. सुचित्रा

पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत के निर्देशन में और विभागीय शिक्षक अमितेश सोनकर, रेशमी साहू एवं विभा सिंह के साथ पत्रकारिता विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भ्रमण हेतु छात्रों को छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक स्थल सिरपुर का दर्शन कराया गया। भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को भारतीय संस्कृति, इतिहास और पुरातात्विक धरोहरों की महत्ता से परिचित कराना था। सिरपुर में छात्रों ने प्राचीन लक्ष्मण मंदिर, गंधेश्वर महादेव मंदिर, सुरंग टीला, तीवरदेव, बौद्ध विहार जैसे प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण किया। सिरपुर जो की पांचवी छठवीं शताब्दी का प्रसिद्ध पुरातन स्थल है, जहां लगभग 17 सौ साल पहले निर्मित ईंटों का लक्ष्मणेश्वर मंदिर, गंधेश्वर महादेव गाइड ने सभी को जानकारी दी। ऐतिहासिक स्थल सिरपुर जो प्राचीन समय में छत्तीसगढ़ की राजधानी हुआ करती थी और आज दिल्ली के ताजमहल के सामान छत्तीसगढ़ में बने लाल ईंटो से निर्मित लक्ष्मण मंदिर जो प्रेम का प्रतिक है इसका इतिहास बहुत ही रोचक है जो की रानी वास्टा देवी ने अपने पति की याद में इस मंदिर का निर्माण कराया। साथ ही पुरातत्विक स्थलों में जाकर प्राचीन मूर्तियों व कलाकृतियों और सुरंग टिला, तिवर देव, बौद्ध विहार, गन्धेश्वर महादेव से रूबरू हुए। ऐतिहासिक स्थल सिरपुर, धार्मिक स्थल कौशल्या माता मंदिर और प्राकृतिक स्थल बड़े तरिया चौपाटी का आनंद लेते हुए उन स्थलों की विशेषताओं को जानने के बाद विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ पर्यटन स्थलों की रिपोर्टिंग की और साथ ही उन स्थलों की जानकारी को अपने यूट्यूब चैनल इंडिया टुडे न्यूज और द ब्लू प्रिंट के माध्यम से लोगों तक पहुँचाने का संकल्प लिया। इस भ्रमण में विभागीय शिक्षक सहित 35 विद्यार्थियों ने पर्यटन स्थलों का लाभ उठाया।

साथ ही साथ बच्चों में आत्म विश्वास जागृत करने के लिए इन स्थलों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वास्तुकला, संस्कृति और धार्मिक महत्व के बारे में विशेषज्ञ गाइड ने सभी को जानकारी दी।

रजिस्ट्रार दीपक कुमार ने वर्ष के प्रथम दिवस किया अपना 22 वां रक्तदान

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. दामले ने की सराहना

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा ने लगातार 7 वें वर्ष नववर्ष की शुरुवात जिला चिकित्सालय के रक्त केन्द्र में रक्त दान कर किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में रजिस्ट्रार पद पर नियुक्त होने के पश्चात् प्रतिवर्ष 01 जनवरी को रक्त दान करते है।

उन्होंने सभी को रक्त दान का आहवान करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति 18 वर्ष से अधिक एवं 60 वर्ष के कम उम्र के है वे रक्त दान कर लोगो के जीवन रक्षा में अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

रक्त दान के कई लाभ है ये आपके शरीर को स्वस्थ्य रखता है, दिल से जुड़ी बीमारियों की संभावना को कम करता है, शरीर में मौजूद हानिकारक आयरन को बाहर निकालता है, लिवर को स्वस्थ रखता है एवं तीन माह में पुनः नया रक्त निर्मित हो जाता है। अतः जब तक स्वस्थ्य हो तब तक समय-समय पर रक्तदान करते रहें, क्योंकि रक्तदान स्वयं के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद तो होता ही है साथ ही जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवन दान होता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. दामले ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इनका ये कार्य प्रेरणीय है जो विद्यार्थियों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करेगा। यह रक्त दान परगनिहा का 22 वां रक्त दान है। परगनिहा से प्रेरित होकर महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी शिव कुमार ने भी वर्ष के प्रथम दिन रक्तदान किया।

अर्थशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन प्राचार्य डॉ.सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं डॉ.सुमीता श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष के निर्देशन में किया गया। प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने उपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा के अवसर का लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्वानों से मिल रहे ज्ञान का उपयोग वे अपने बेहतर भविष्य के लिये करें। व्याख्यान का विषय केन्द्रीय बजट 2025–26 था। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. के.पद्मावती, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग थीं। डॉ. के.पद्मावती द्वारा बहुत ही सरल भाषा में बजट के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को विस्तार से समझाया गया। बजट का उद्देश्य भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाना मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को बढ़ाना, रोजगार का ज्यादा से ज्यादा सृजन करना है। बजट के मुख्य बिन्दु के रूप में उन्होंने बताया कि इन्श्योरेंस में जो 74 था उसे बढ़ाकर 100 कर दिया गया। भारत में मेडिकल पर्यटन की बहुत संभावनाएं हैं क्योंकि भारत में कम मूल्य पर अच्छी सुविधा के साथ बेहतर इलाज उपलब्ध है। अतः इसे और बेहतर बनाया जायेगा। 16 करोड़ लोग विमान यात्रा से जुड़े हैं 4 करोड़ और जोड़ने की योजना है।

संपादकीय...

समाज को उन्नत करने का साधन है शिक्षा

डेमिस हसाबिस लंदन के युवा वैज्ञानिक जो बचपन में अपने पिता-चाचा को शतरंज खेलते देखकर उनसे खेल सीखते हैं और उस खेल में महारत हासिल करते हैं। इसके बाद उन्होंने तर्क और रणनीति वाले सभी खेलों में रुचि लेना आरंभ किया। उनकी असाधारण योग्यता को देखते हुए मात्र 8 साल की उम्र में उन्हें कंप्यूटर दिया गया। अब खेल और कंप्यूटर के प्रति उनका ऐसा आकर्षण बढ़ा कि 13 वर्ष की उम्र में मान्यता प्राप्त शतरंज मास्टर बन गए और 17वर्ष की उम्र में वह कंपनी बुलफॉग प्रोडक्शंस में शामिल गए।

मात्र 4 साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया, 13 साल में एलो रेटिंग के साथ मास्टर मानक तक पहुंच गए। ये इतनी प्रतिभाशाली हुए कि 16 साल की उम्र यानी दो साल पहले अपनी ए लेवल की परीक्षा पूर्ण कर ली। कम उम्र के कारण इन्हें एक गैप ईयर लेना पड़ा। इस दौरान वे विभिन्न आविष्कारों के प्रति समर्पित रहते हुए न्यूरो साइंस पर काम करते हुए पीएचडी की पढ़ाई पूरी की।

वर्ष 2011 में ए आई कंपनी डीपमाइंड टेक्नोलॉजी की स्थापना की इस मिशन में 'बुद्धिमता की समस्या' को हल करने और फिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर बाकी सब कुछ हल करने के रूप में परिभाषित किया। संक्षेप में कहें तो नोबेल पुरस्कार सहित अन्य कई पुरस्कारों के विजेता डेमिस ने अल्फाफोल्ड 2 नामक एआई मॉडल विकसित किया है जो प्रोटीन की संरचना का पूर्वानुमान लगा सकता है। साथ ही प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी में नए तरीके, उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नए तरीके और जैविक अनुसंधान में नए तरीके विकसित किए। उनकी खोज ने जीवन विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में नए अवसर खोले हैं। उनके नेतृत्व में आईसोमार्फिक प्रयोगशालाएं नए चिकित्सा उपचारों के विकास में तेजी लाकर समाज को लाभ प्रदान कर रहे हैं।

डेमिस हसाबिस की इस ज्ञान यात्रा से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा ही देश की उन्नति का एकमात्र सर्वोत्कृष्ट साधन है। देश और दुनिया में जो कुछ चल रहा होता है उसका प्रभाव मनुष्य पर पड़ता है। उन्नत विकास देश की चाहत प्रत्येक देश की होती है। हम भारतीय भी अपने देश को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा देखना चाहते हैं। इसके लिए जो रास्ता है वह अपनी सभ्य परंपराओं के साथ ही साइंस और टेक्नोलॉजी के माध्यम से जाता है।

इसके लिए जिन शैक्षणिक संस्थाओं को सुविधा प्राप्त हैं वह अपनी सफलता का परचम लहरा रहे हैं पर देखने वाली बात यह है कि अधिकांश संस्थाओं में सुविधाएं पर्याप्त नहीं है। शिक्षा किसी भी समाज को उन्नत करने का बड़ा साधन है। शिक्षा ही मनुष्य को स्वावलंबी और स्वाभिमानी बनाता है।

आज का युग बाजारवाद की चपेट में है जिससे युवा बुरी तरह प्रभावित हैं। उपभोक्तावादी संस्कृति ने लोगों को आत्मकेंद्रित और लालची बना दिया है। इसीलिए कहां ,क्या हो रहा है जैसी स्थिति से अपने आप को दूर रखकर सिर्फ और सिर्फ अपने लिए सोचने की प्रवृत्ति बढ़ रही है ऐसे में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता बढ़ गई है। इस समय समाज को यह प्रयास करना चाहिए कि किस तरह बच्चों, युवाओं को यथार्थ के धरातल पर रखा जाए। जिससे कि डेमी हसाबीस की तरह हमारे देश के युवा अपनी मेधा का उपयोग देशहित और समाज हित में कर सके।

संपादक - डॉ. बी. नंदा जागृत

महिलाओं के विधिक अधिकार व जागरूकता पर कार्यशाला

दिग्विजय कैम्पस

प्राचार्य डॉ. दामले के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में पीएम उषा प्रकोष्ठ आइक्यूएसी प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में छात्राओं के लिए आयोजित विधिक अधिकार एवं जागरूकता विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ कार्यशाला के प्रथम दिन रायपुर से पधारी एडवोकेट गरिमा सिडार ने महिलाओं के लिए नए संशोधित कानून में बदलाव एवं यौन उत्पीड़न में सजा के प्रावधान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यशाला के दूसरे दिन रायपुर से उपस्थित प्राध्यापक विधि विभाग हेमंत नंदगौरी ने भारतीय संविधान में महिलाओं के विशेषाधिकार पर छात्राओं को जागरूक किया। तीसरे दिन योगानंदम छत्तीसगढ़ कॉलेज रायपुर के अतिथि वक्ता संदीप सरवन ने सूचना के तहत अधिकार, उसका उद्देश्य, महत्व और उसकी प्रक्रिया पर छात्राओं को जागरूक किया। चतुर्थ दिन बिलासपुर हाईकोर्ट की अधिवक्ता सुश्री प्रतीक्षा सिंह ने छात्राओं को साइबर क्राइम अपराधीकरण एवं महिलाएं कैसे सुरक्षित रहें इस गंभीर विषय पर सजग किया। कार्यक्रम के अंतिम एवं समापन दिवस पर बालोद से पधारी सहायक प्राध्यापक डॉ. स्वाति वैष्णव ने महिलाओं के लिए उपभोक्ता अधिनियम और अधिकार की आवश्यकता पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

छात्राओं को कानूनी जागरूकता विषय पर जानकारी दी गई

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय में महिलाओं के विधिक अधिकार एवं जागरूकता विषय पर प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले के मार्गदर्शन में पीएम उषा अभियान के तहत पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम का आयोजन पीएम उषा समिति महिला प्रकोष्ठ एवं आइक्यूएसी प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस की मुख्य वक्ता रायपुर से पधारी एडवोकेट गरिमा सोदार सेंटर फॉर रिसर्च एंड लर्निंग सुप्रीम कोर्ट इंडिया से उपस्थित थी। मुख्य वक्ता ने छात्राओं को नए संशोधित आपराधिक कानून के तहत महिलाओं के विधिक अधिकार, उनका सामाजिक एवं विधिक रूप में प्रभाव और सामाजिक आकलन विषय पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने यौन संबंधी हिंसात्मक अपराध होने पर

महिलाओं के सुरक्षा के तहत विधिक प्रक्रिया एवं सजा के संबंध में जानकारी दी। अतिथि वक्ता ने छात्राओं के विभिन्न जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समाधान किया।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा समय.समय पर दिए गए विधिक निर्णय से अवगत कराया। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं से संबंधित लैंगिक समानता के आंदोलन से भी परिचित कराया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. दामले ने अपने स्वागत उद्बोधन में छात्राओं को कानूनी जागरूकता के इस विषय के महत्व की आवश्यकता के बारे में बताया। पीएम उषा समिति के संयोजक डॉ. संजय ठीसके ने भारत सरकार द्वारा संचालित पीएम उषा के उद्देश्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. नीलू श्रीवास्तव ने इस कार्यक्रम की बारीकियों एवं नियम के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनीता साहा एवं आभार प्रदर्शन महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. मीना प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न कॉलेजों की छात्राओं ने निशुल्क पंजीयन कराया और कार्यक्रम का लाभ उठाया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की सभी महिला अध्यापकों ने सहभागिता की।

व्यक्तित्व विकास पर अतिथि व्याख्यान

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ किरण लता दामले के निर्देशन में आज दिनांक 23 अप्रैल 2025 को आमंत्रित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अनुपमा श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक भिलाई महिला महाविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए द्य विभागाध्यक्ष डॉ. के एल दामले ने प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि को पुष्प कुछ देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति का व्यक्तित्व केवल उसके बाहरी रूप, रंग या पहनावे से नहीं बल्कि उसके विचारों, आचरण, व्यवहार और दृष्टिकोण से परिभाषित होता है। एक संतुलित और प्रभावशाली व्यक्तित्व न केवल सफलता की कुंजी होता है, बल्कि समाज में आपके प्रति सम्मान और विश्वास को भी बढ़ाता है।

दीक्षा व श्रुति ने जीता गोल्ड मेडल

दिग्विजय महाविद्यालय की छात्रा दीक्षा व श्रुति ताम्रकार ने दुर्ग में आयोजित खेलो इंडिया जोनल योग प्रतियोगिता में गोल्ड पदक जीतकर दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव को गौरवान्वित किया है। आगामी केरल में आयोजित नेशनल गेम में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी।

दीक्षा व श्रुति ताम्रकार की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी अरूण चौधरी, रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा, रामू पाटिल सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने बधाई दी।

पोषक विद्यालय संपर्क अभियान के तहत अंग्रेजी विभाग का विस्तार कार्यक्रम

दिग्विजय कैम्पस

उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव की प्राचार्या मेजर डॉक्टर किरण लता दामले के मार्गदर्शन एवं अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता शंकर के निर्देशन में अंग्रेजी विभाग के द्वारा दिनांक 09 दिसंबर 2025 को पोषक विद्यालय संपर्क अभियान का आयोजन किया गया। उपरोक्त गतिविधि में

अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने पीएम सर्वेश्वर दास एन पी एन उत्कृष्ट विद्यालय राजनांदगांव का भ्रमण किया। डॉ. अनीता साहा ने पावरप्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से महाविद्यालय के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को नवीन शिक्षा नीति 2020 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉ. साहा ने विद्यार्थियों को पुरानी शिक्षा नीति एवं नवीन शिक्षा नीति के मध्य अंतर को समझाते हुए नवीन शिक्षा नीति 2020 के महत्व पर प्रकाश डाला तथा दिग्विजय महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन पर भी वक्तव्य दिया एवं उनके प्रश्नों के उत्तर दिए।

अंग्रेजी विभाग में कैरियर संभावनाओं पर व्याख्यान

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव की प्राचार्या मेजर डॉक्टर किरण लता दामले के मार्गदर्शन एवं अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता शंकर के निर्देशन में अंग्रेजी विभाग के द्वारा दिनांक 22 दिसंबर 2024 को अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में कैरियर संभावनाएं विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि विद्वान के रूप में सुभाष चंद्र गोस्वामी, रिटायर्ड सीनियर लेक्चरर, अंग्रेजी भाषा बंगालीटोला इंटर कॉलेज, वाराणसी, उत्तर प्रदेश आमंत्रित थे।

उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि अंग्रेजी भाषा और साहित्य में डिग्री विभिन्न क्षेत्रों में करियर के व्यापक अवसरों के द्वार खोलती है। इनके द्वारा विकसित किए जाने वाले कौशल . जैसे कि आलोचनात्मक सोच, संचार, लेखन, अनुसंधान और विश्लेषण . कई उद्योगों में अत्यधिक

हस्तांतरणीय और मूल्यवान हैं। इनके समक्ष कैरियर संभावनाएं जैसे लेखन एवं प्रकाशन, शिक्षण और शिक्षा, मीडिया और पत्रकारिता, जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार, विपणन और विज्ञापन, अनुवाद और भाषा विज्ञान, कानून और सरकार, प्रौद्योगिकी और डिजिटल मीडिया, रचनात्मक कला और डिज़ाइन इत्यादि हैं।

अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य के विद्यार्थी लेखक उपन्यासकार, पत्रकार, कॉपीराइटर, सामग्री लेखकधिर्माता, तकनीकी लेखक, संपादक, ईएसएल (दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी) शिक्षक, अंग्रेजी शिक्षक, साहित्य प्रोफेसर, डेवलपर, अकादमिक ट्यूटर, रेडियो टीवी प्रस्तोता, फिल्म समीक्षकध्समीक्षक, सोशल मीडिया मैनेजर, कंटेंट रणनीतिकार इत्यादि में कैरियर बना सकते हैं।

व्याख्यान के अंत में विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी समस्याओं का समाधान किया। उपरोक्त गतिविधि में अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ. नीलू श्रीवास्तव, डॉ. अनिता साहा, डॉ. आराधना गोस्वामी, प्रोफेसर मंजरी सिंह एवं मंजुला सोनी उपस्थित रहे।

हिंदी विभाग में एलुमनी सम्मेलन आयोजित

आजीवन सदस्यता ग्रहण करने वालों को किया गया सम्मानित

दिग्विजय कैम्पस

प्राचार्य डॉ. किरणलता दामले ने डॉ. बीएन जागृत को बाबा नागार्जुन सम्मान, डॉ. प्रवीण कुमार साहू को संत कबीर सम्मान, डॉ. वीरेंद्र कुमार साहू को जयशंकर प्रसाद सम्मान, डॉ. मनीषा सोनी को पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सम्मान, डॉ. सुनीता सोनी को छत्तीसगढ़ी लोककला सम्मान, डॉ. लालचंद सिन्हा को राष्ट्रीय जागरण सम्मान तथा डॉ. जयती बिस्वास को अमृतलाल नागर सम्मान से सम्मानित किया। एलुमनी आयशा खान, श्रद्धा शर्मा, रामेश्वरी टंडन, राम मनोहर उपस्थित थे।

सभी भूतपूर्व छात्रों ने महाविद्यालय में अध्ययनकाल की स्मृतियों एवं अपने जीवन के कठिन संघर्षों एवं अर्जित उपलब्धियां को विद्यार्थियों से साझा कर उन्हें प्रेरित किया।

प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी विभाग के आजीवन सदस्यता ग्रहण करने वाले भूतपूर्व छात्रों को विभिन्न सम्मान प्राप्त करने के लिए बधाई देती हूँ. महाविद्यालय के लिए यह गर्व की बात है कि हमारे भूतपूर्व छात्र आज विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं।

विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने कहा कि हिंदी विभाग प्रतिवर्ष 6 जनवरी को भूतपूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित करता है। हमारा उद्देश्य है कि वर्तमान में स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्यनरत विद्यार्थी अपने वरिष्ठ विद्यार्थियों से परिचित हों, उनके संघर्षों एवं उपलब्धियों से प्रेरित होकर अपने जीवन को सही दिशा दें। जिला पंचायत राजनांदगांव के जॉइंट डायरेक्टर एवं महाविद्यालय के पीएचडी स्कॉलर कैलाश कुमार ने कहा कि निरंतर मेहनत करने से ही सफलता मिलती है। मुश्किलों से कभी डरना नहीं चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रवीण कुमार साहू ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ. नीलम तिवारी, डॉ. गायत्री साहू, कौशिक बिशी, साहित्य परिषद के अध्यक्ष छात्रा डोली महोबिया, उपाध्यक्ष मनीष टांडेकर एवं बड़ी संख्या में स्नातकोत्तर के विद्यार्थी उपस्थित थे

गणित के क्षेत्र में रामानुजन का योगदान अद्वितीय - डॉ. ओमकार लाल श्रीवास्तव

जुनून व समर्पण से महानता हासिल की जा सकती है - डॉ. सुचित्रा गुप्ता

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. के. के. देवांगन के मार्गदर्शन में गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस 202 का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ओमकार लाल श्रीवास्तव, प्राध्यापक, शास. कमला देवी राठी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव से उपस्थित हुये।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ. हेमंत कुमार साव ने कार्यक्रम के मुख्या वक्ता डॉ. ओमकार लाल श्रीवास्तव से सभी को परिचित करवाया। विभागाध्यक्ष डॉ. के. के. देवांगन ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती पर राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है व राष्ट्रीय गणित दिवस मनाये जाने का कारण हम और हमारी पीढ़ियां श्रीनिवास रामानुजन को याद रखे एवं उनकी पदचिन्हों पर चलने का प्रयास करे। साथ ही महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की संक्षिप्त जीवनी से विद्यार्थियों को सन्देश दिया कि विपरीत परिस्थितियों व सीमित संसाधनों में भी अपने जुनून और समर्पण से महानता हासिल की जा सकती है।

इसके पश्चात् डॉ. ओमकार लाल श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को पी. पी. टी. के माध्यम से बताया कि रामानुजन ने गणित के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया, विशेष रूप से संख्या सिद्धांत, अनंत श्रंखला और गणितीय विश्लेषण में। उनके कार्यों ने आधुनिक गणित को नई दिशा दी। उन्होंने 3900 से अधिक गणितीय परिणाम और प्रमेय दिए, जिनमे से कई आज भी शोध का विषय है। रामानुजन का काम दिव्य प्रेरणा और गहरी अंतर्दृष्टि का उदहारण है। रामानुजन ने विशेष रूप से मोचक थीटा फंक्शन औत पार्टीशन थ्योरी में महत्वपूर्ण खोजे की। उनके द्वारा विकसित रामानुजन समीकरण आज भी गणित में क्रांतिकारी माने जाते है। आधुनिक गणित में, रामानुजन के कार्यो का प्रयोग संख्या सिद्धांत, गणितीयभौतिकी और क्रिप्टोग्राफी जैसे क्षेत्रों में होता है। कार्यक्रम का मंच सञ्चालन डॉ. हेमंत साव द्वारा किया गया तथा आभार व्यक्त डॉ. कविता साकुरे के द्वारा किया गया। इस व्याख्यान में रवि सोनकर (अतिथि प्राध्यापकद्ध तथा एमएससी. पूर्व, एमएससी. अंतिम गणित के विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पोषक विद्यालय संपर्क अभियान

वाणिज्य विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोकत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा प्राचार्य डॉक्टर किरण लता दामले के निर्देशन एवं आई. क्यू. ए. सी. के प्रयास साथ ही वाणिज्य विभाग विभागाध्यक्ष डॉक्टर एसके ऊके की अध्यक्षता में विस्तार गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्हारपुरी में दिनांक 15 जनवरी 2025 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से कन्हारपुरी विद्यालय के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को अग्रणी दिग्विजय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020के पोषक विद्यालय संपर्क अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को नई शिक्षा नीति के विजन उद्देश्य महत्व व महाविद्यालय में संचालित होने वाले सारे पाठ्यक्रमों की जानकारी के प्रो. रागिनी के द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रदान की गई। जिसके अंतर्गत छात्रों को जेनेरिक कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स, स्किल एनहैंसमेंट कोर्सएके बारे में जानकारी दी गई।

उपरोक्त एक दिवसीय कार्यक्रम में कक्षा 12वीं के पश्चात कैरियर गाइडेंस की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रो. तरुण के द्वारा छात्र-छात्राओं दी गई। जिसके अंतर्गत से छात्रों को कक्षा 12वीं के पश्चात करियर ऑप्शन व उच्च शिक्षा हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया गयाद्यकार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्या श्रीमती संगीता खोपरागड़े, वरिष्ठ व्याख्याता सुरेंद्र डारगावे, विरेंद्र दुबे, एवं अन्य स्टाफ व साथ ही दिग्विजय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर प्रज्ञा मिश्रा, श्रीमती स्वयं सिद्धा झा साथ ही कॉम चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्या को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया एवं छात्र-छात्राओं से प्रतिपुष्टि फॉर्म देकर कार्यक्रम के संबंध में प्रतिपुष्टि ली गई। उक्त कार्यक्रम विभाग के समस्त प्राध्यापको एवं एमकॉमअंतिम के छात्र-छात्राओं एवं छात्र साहिल जंगल ने सहयोग प्रदान किया गया।

पोषक विद्यालय संपर्क अभियान का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

राजनांदगांव, शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. दामले के निर्देशन में एवं राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता बक्शी के कुशल निर्देशन में पोषक विद्यालय संपर्क अभियान के अंतर्गत गुरुनानक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनांदगांव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रचार प्रसार किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विस्तार से चर्चा करते हुए संजय सतर्षि, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा इस शिक्षा नीति के उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में सकल अनुपात दर को बढ़ाना, मल्टीपल एंट्री और एग्जिट के द्वारा शिक्षा को सरल एवं सुगम बनाना, साथ ही किसी भी विषय का विद्यार्थी कोई भी विषय लेकर पढ़ सकता है जैसे मानविकी, कला या समाज विज्ञान विषय से संबंधित विद्यार्थी अपने अनुरूप विज्ञान या वाणिज्य के विषय का चयन कर सकता है, उसी तरह विज्ञान या वाणिज्य का विद्यार्थी कला साहित्य के विषयो में भी निपुण हो सकता है।

इस शिक्षा नीति का सबसे ज्यादा जोर कौशल विकास एवम मूल्य वर्धित शिक्षा पर है क्योंकि विद्यार्थी कौशल विकास से स्वरोजगार के अवसर तलाश सकता है और मूल्य वर्धित शिक्षा से मानवीय मूल्यों को समझ सकता है। आगे उन्होंने ये भी बताया कि जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर आधारित यह पाठ्यक्रम लागू हो चुका है तथा 12वी पास कोई भी विद्यार्थी मेरिट के आधार पर प्रवेश ले सकता है। उक्त अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य योगश द्वीवेदी का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र एवम प्रतीक चिन्ह राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता बक्शी द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग से दीपक कुमार (अतिथी व्याख्याता एवं एमए, के विद्यार्थी के साथ-साथ विद्यालय के 12वी कक्षा के बहुत

विद्यार्थी कौशल विकास से स्वरोजगार के अवसर तलाश सकता है -हिरेन्द्र ठाकुर

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता मैडम के निर्देशन में एवं इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह के कुशल निर्देशन में पोषक विद्यालय संपर्क अभियान के अंतर्गत ठाकुर प्यारेलाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनांदगांव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रचार प्रसार किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विस्तार से चर्चा करते हुए डॉ. शैलेंद्र सिंह, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभागअध्यक्ष ने विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा इस शिक्षा नीति के उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में सकल अनुपात दर को बढ़ाना, मल्टीपल एंट्री और एग्जिट के द्वारा शिक्षा को सरल एवं सुगम बनाना, साथ ही किसी भी विषय का विद्यार्थी कोई भी विषय लेकर पढ़ सकता है जैसे मानविकी, कला या समाज विज्ञान विषय से संबंधित विद्यार्थी अपने अनुरूप विज्ञान या वाणिज्य के विषय का चयन कर सकता है।

उसी तरह विज्ञान या वाणिज्य का विद्यार्थी कला साहित्य के विषयो में भी निपुण हो सकता है। हिरेंद्र बहादुर ठाकुर (सहायक अध्यापक इतिहास ने छात्र-छात्राओं को इस शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहां की सबसे ज्यादा जोर कौशल विकास एवम मूल्य वर्धित शिक्षा पर है क्योंकि विद्यार्थी कौशल विकास से स्वरोजगार के अवसर ढूंढ सकता है और मूल्य वर्धित शिक्षा से मानवीय मूल्यों को समझ सकता है।

आगे उन्होंने ये भी बताया कि जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर आधारित यह पाठ्यक्रम लागू हो चुका है तथा 12वी पास कोई भी विद्यार्थी मेरिट के आधार पर प्रवेश ले सकता है इस अवसर पर इतिहास विभाग के डॉ. अजय शर्मा सर और एमए, इतिहास के छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा शिक्षक-पालक बैठक का किया गया आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता बक्शी के मार्गदर्शन में शिक्षक पालक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में विभागाध्यक्ष ने बताया कि महाविद्यालय के छात्रों का समग्र विकास तभी संभव है जब पालक भी समय समय पर महाविद्यालय से उनके शैक्षणिक स्तर की जानकारी लेते रहे।

उन्होंने विभाग में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी तथा पलकों को इसे और अधिक बेहतर बनाने हेतु सुझाव देने के लिए भी कहा।

उक्त बैठक में स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र छात्राएं तथा श्रीमती पुनिया बाई देवांगन, लोकनाथ भारतीश्री ईश्वर श्रीवास और विक्रम यादव के साथ ही साथ प्रो. संजय सतर्षि एवं प्रो दीपक कुमार उपस्थित रहे।

बालिकाएं ही सामाजिक विकास की धुरी हैं - डॉ. सुचित्रा

दिग्विजय कैम्पस

24 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ठ के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं को देश व समाज के विकास की धुरी बताया और कहा कि सदैव निडर होकर सही दिशा मेंअपने कार्य करें। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. मीना प्रसाद ने बालिका दिवस के उद्देश्यों को जानकारी दी। अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉक्टर बी एन जागृत ने सारगर्भित व्याख्यान में कहा कि पुरुष प्रधान समाज में नारी को अपनी प्रतिभा के बल पर सम्मान अर्जित करना होगा और इसके लिए बालिकाओं को जागरूक होना आवश्यक है।

इस कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की सदस्य प्राध्यापिकाएं डॉ. कविता साकुरे, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. किरण जैन, श्रीमती स्वयं सिध्दा झा एवं डॉ. नीलम तिवारी व बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा में उपस्थित थे।

बालिका दिवस के उपलक्ष्य में रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में समाज कार्य एवं समाजशास्त्र विभाग, मानवविज्ञान विभाग एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन तथा समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू व समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ए. के. मंडावी, महिला सेल की प्रकोष्ठ डॉ. मीना प्रसाद एवं मानव विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजली मोहन कोडापी के मार्गदर्शन में किया गया। बालिका दिवस के उपलक्ष्य में रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता का आयोजन नारी सशक्तिकरण विषय पर किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष में विद्यार्थियों द्वारा रैली का भी आयोजन किया गया। विभिन्न नारे लगाए गए बेटी को कभी भी मत समझो भार, यही है जीवन का आधार, बेटी पर करें अभिमान, जन्म होने पर करें सम्मान, बेटी है देश पहचान वही माता-पिता है महान। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य समाज में बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। बेटियां समाज का आधार स्तंभ है। सृष्टि की सृजनकर्ता है। देश का भविष्य है। समाजशास्त्र विभाग अध्यक्ष डॉ. एके मांडवी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा की आज समाज में विभिन्न स्तर पर सशक्त महिलाएं व बालिकाएं हैं वही दूसरी ओर ऐसी बालिकाएं भी है जो आधारभूत सुविधाओं से वांछित है इन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय बालिका दिवस मना रहे हैं।

भौतिक शास्त्र के विद्यार्थियों का कोलकाता शैक्षिक भ्रमण

55 छात्रों ने पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण, हेलीकॉप्टर और अन्य युद्ध के विमानों को नजदीक से देखा

दिग्विजय कैम्पस

शास. दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्नातकोत्तर शास. दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्नातकोत्तर भौतिक शास्त्र के द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य (डॉ. सुचित्रा गुप्ताद्ध के संरक्षण एवं भौतिक शास्त्र विभागाद्यक्ष डॉ. पी. बी. टांके के मार्ग दर्शन में भौतिक शास्त्र स्नातकोत्तर के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के 55 छात्रों द्वारा कोलकाता का पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण 28/01/25 से 01/02/25 तक किया गया।

भ्रमण में छात्रों के मार्गदर्शन हेतु विभाग के सहायक प्राध्यापक लेखा प्रसाद उर्वशा, एवं अतिथि व्याख्या डॉ. रामकृष्ण देशमुख ने अपनी अहम भूमिका निभाए। हमारी कोलकाता यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव रहा, जहाँ हमने विज्ञान, इतिहास, संस्कृति और प्रकृति के अद्भुत संगम को नजदीक से देखा। इस यात्रा के दौरान हमने साइंस सिटी, गंगासागर, कालीघाट मंदिर, एयरक्राफ्ट म्यूजियम, इंडियन म्यूजियम, ईको पार्क और विक्टोरिया मेमोरियल का भ्रमण किया।

यात्रा की शुरुआत साइंस सिटी से हुई, जो भारत का सबसे बड़ा विज्ञान केंद्र है। यहां डायनासोर गैलरी, थिएटर, टाइम मशीन, स्पेस ओडिसी और रोबोटिक्स के अद्भुत प्रयोगों को देखा। यह एक रोचक और ज्ञानवर्धक अनुभव रहा, विशेष रूप से विज्ञान प्रेमियों के लिए।

इसके बाद हमने गंगासागर तीर्थ की यात्रा की, जो गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित है। यह स्थान हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है और यहाँ प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर लाखों श्रद्धालु स्नान करने आते हैं।

कोलकाता का प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर माँ काली को समर्पित है और 51 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रहती है और यहाँ की दिव्य ऊर्जा को महसूस करना एक अलौकिक अनुभव था। इसके बाद हमने कोलकाता एयरक्राफ्ट म्यूजियम का दौरा किया, जहां भारतीय वायुसेना के विमानों और उनके इतिहास के बारे में जानने का अवसर मिला। यहां 21, हेलीकॉप्टर और अन्य युद्ध के विमानों को नजदीक से देखा। यह संग्रहालय रक्षा प्रेमियों के लिए एक खास स्थान है।

भारत का सबसे पुराना और समृद्ध संग्रहालय, इंडियन म्यूजियम, अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां प्राचीन ममी, बौद्ध अवशेष, दुर्लभ सिक्के, और ऐतिहासिक मूर्तियों को देखने का अवसर मिला। यह संग्रहालय भारतीय इतिहास और पुरातत्व का अद्भुत खजाना है। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर ईको पार्क कोलकाता का एक प्रमुख आकर्षण है। यह पार्क अपनी झील, जापानी गार्डन, म्यूजिक फाउंटेन, और मिनी विश्व धरोहर स्थलों के लिए प्रसिद्ध है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा दिनांक 25 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके. ऊके के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर रागिनी परते के द्वारा संचालन करते हुए सर्वप्रथम विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा डॉ. एस. के. ऊके को आमंत्रित किया गया, डॉ. एस. के. ऊके ने विद्यार्थियों को पर्यटन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात् वाणिज्य विभाग के प्रो. एच. सी जैन द्वारा विस्तार में पर्यटन से व्यापार संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी छात्र-छात्राओं को दी गई।

उपरोक्त राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर एमकॉम के विद्यार्थियों हेतु प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आधार पर विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे गए, जिसमें अंतिम के विद्यार्थी लोकेश्वर ने प्रथम, कुमारी मनीषा ने द्वितीय एवं भूमिका एवं साधना पूर्व ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पर्यटन दिवस कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग की प्राध्यापक डॉ. प्रज्ञा मिश्रा स्वयं सिद्धा झा, डॉ. सूरज पटेल एवं डॉ. देवहूति बंछोर उपस्थित थे।

युद्ध स्तर पर प्रयास करने पर कॉलेज का ए ग्रेड अवश्य आएगा-डॉ. प्रशांत

पर्यावरण एवं स्थायित्व हेतु हरित पहल और जागरुकता कार्यक्रमों के आयोजनों पर बल दिया जाना चाहिए

दिग्विजय कैम्पस

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने उच्च शिक्षा संस्थानों की शैक्षणिक और प्रशासनिक गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए 10 प्रमुख गुणात्मक विशेषताओं को अपनाया है। इन विशेषताओं को संस्थानों की समग्र प्रगति को मापने के लिए उपयोग किया जाता है। इस संदर्भ में दिनांक 25जनवरी 2025 को जिले के प्रतिष्ठित शासकीय दिग्विजय स्व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के द्वारा इन 10 गुणात्मक विशेषताओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला का उद्देश्य महाविद्यालय के प्राध्यापकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 10 गुणात्मक विशेषताओं के महत्व और उनके अनुपालन पर मार्गदर्शन देना था। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, प्रोफेसर शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग ने 10 एंट्रीब्यूट्स पर विस्तार से जानकारी देते हुए प्रत्येक एंट्रीब्यूट्स के विभिन्न मैट्रिक्स पर उन्होंने विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि हम किस तरह से महाविद्यालय की उपलब्धि एवं दक्षता के समक्ष इन एट्रीब्यूट्स के माध्यम से कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं और महाविद्यालय के विकास हेतु 10 गुणात्मक विशेषताओं प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम पहलू जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए विविधता और समावेशी पाठ्यक्रम की आवश्यकता है एवं शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन में छात्र .केंद्रित शिक्षा और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बोल दिया जाना आवश्यक है एवं अनुसंधान, नवाचार और विस्तार एवं शोध और नवीनता को बढ़ावा देने के लिए संस्थाओं को दीर्घकालिक रणनीतियां अपनाने की जरूरत है एवं संवर्ग विकास हेतु आधुनिक तकनीकी संसाधनों के उपयोग और आधारभूत संरचनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी साथ ही छात्र सहयोग एवं प्रगति के लिए कैरियर गाइडेंस, स्कॉलरशिप और परामर्श सेवाओं की व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना होगा साथ ही शासन, नेतृत्व और प्रबंधन के लिए पारदर्शिता एवं जवाबदेह प्रशासनिक तंत्र विकसित करने पर बल दिया जाना चाहिए एवं नैतिक मूल्य और पेशेवर नैतिकत संस्था में नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा की गई।

साथ ही संस्थागत मूल्यांकन के लिए संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को अपनाने और उनका पालन करने की प्रक्रिया पर जोर दिया गया एवं पर्यावरण एवं स्थायित्व के लिए हरित पहल और जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजनों पर बल दिया जाना चाहिए एवं स्व.स्वीकृति और आत्ममूल्यांकन जो किसी भी संस्था के विकास का आधार है इन बिंदुओं पर चर्चा किया गया। इस कार्यशाला में प्राध्यापकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विशेषताओं को बेहतर ढंग से समझने और उन्हें अपने संस्थानों में लागू करने के लिए प्रेरित किया गया। यह कार्यशाला सभी के लिए बेहद ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक थी।

भारतीय ज्ञान प्रणाली भारत को विश्वगुरु बनाने की मूल आधारशिला - डॉ. राजेश पांडे

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालयमें दिनांक 30 अप्रैल 2025 को मानव संसाधन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित तथा स्वशासी प्रकोष्ठ द्वारा प्रायोजित सात दिवसीय कार्यशाला के समापन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं शिक्षण पद्धति विषय पर एक विशेष व्याख्यान डॉ. राजेश पांडे, अपर निदेशक , उच्च शिक्षा, दुर्ग संभाग, द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान का केंद्र रहा है, परंतु आधुनिकता के प्रभाव के कारण हम अपनी मूल भारतीय ज्ञान परंपराओं को अपनाने से विमुख हो रहे हैं। आज की सबसे बड़ी चुनौती यानी हमारी सांस्कृतिक और बौद्धिक जड़ों से कटाव है। उन्होंने कहा कि कोई भी विकास तभी स्थायी और सार्थक हो सकता है, जब वह अपनी जड़ों से जुड़ा हो।

डॉ.राजेश पांडे ने अपने व्याख्यान में भारतीय ज्ञान प्रणाली की वैज्ञानिक गहराई को सहज एवं प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि वह वैज्ञानिक और बौद्धिक दृष्टिकोण है, जो शिक्षा को जीवन के वास्तविक अनुभवों से जोड़ती है। प्राचीन भारत में खगोलशास्त्र और गणित का गहरा अध्ययन होता था।भारतीय ऋषियों की खगोलीय गणनाएँ कितनी सटीक और वैज्ञानिक रही हैं, जहाँ 108 केवल एक संख्या नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है। समारोह में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक हीरेन्द्र ठाकुर द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन मानव संसाधन प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. प्रीतिबाला टांक द्वारा प्रस्तुत किया गया। अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

विजित छात्रों के उत्साह वर्धन हेतु पुरस्कार वितरण किया

महाविद्यालय में एनईपी सारथी के तहत क्विज एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के यूजीसी एनईपी सारथी के तहत क्विज एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन तथा सुश्री मंजरी सिंह प्रभारी अधिकारी एन ई पी सारथी के मार्गदर्शन में किया गया।

उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता दी। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि यूजीसी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में एन ई पी के उद्देश्य व नीतियों के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है उनके द्वारा विद्यार्थियों के इस कार्य हेतु सराहना की गई। उक्त कार्यक्रम में एन ई पी सारथी प्रगति साहू, लालचंद मारकंडे, सुलोचना सिंह, टिकेश्वर का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।

कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता में विजित छात्रों के उत्साह वर्धन हेतु पुरस्कार वितरण किया। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय द्वारा प्रति माह एन ई पी सारथियों के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य एन ई पी के संबंध विद्यार्थियों को जागरूक करना तथा इसके संबंध में जानकारी उपलब्ध कराना है।

महिला प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय राजनांदगांव की महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के नेतृत्व में एवं महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. मीना प्रसाद के मार्गदर्शन में छात्राओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला पुराने कागजों से क्राफ्ट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। छात्राओं को प्रशिक्षण देने के लिए क्राफ्ट कलाकार गोपाल राय नई दिल्ली से कार्यक्रम में उपस्थित थे उन्होंने विद्यार्थियों को पुराने न्यूज़पेपर से तरह.तरह के सजावट के आकर्षक झालर, कबूतर विभिन्न प्रकार के फूल और डांसिंग डॉल बनाना सिखाए। प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से बालिकाओं में आत्मनिर्भरता एवं कौशल का विकास होता है तथा उनके लिए रोजगार के नए नए अवसर खुलते हैं। उन्होंने कहा कि कागजों से बने होम डेकोरेशन के सामान पर्यावरण के लिए बिल्कुल सुरक्षित है क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार के प्लास्टिक या केमिकल का प्रयोग नहीं होता है तथा यह कम संसाधनों और पैसे में बनकर तैयार हो जाते हैं।

उन्होंने बालिकाओं को इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता करने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भूतपूर्व छात्रों ने राजनीति विज्ञान विभाग को की पुस्तकें भेंट की

महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों समीर भारती, सागर सोनी तथा ईश्वरी शर्मा, जिन्होंने हाल ही में परीक्षा उत्तीर्ण की है के द्वारा महाविद्यालय के छात्रों हेतु परीक्षा की तैयारी के लिए राजनीति विज्ञान विभाग को प्रथम प्रश्न पत्र की पुस्तकें भेंट की गईं। विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता बख्शी, विभाग के अन्य प्राध्यापक डॉ. राजकुमार बंजारे, संजय सप्तर्षि, डॉ. भारती सोनी व दीपक कुमार के द्वारा छात्रों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

महाविद्यालय में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुमीता श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया।

विभागाध्यक्ष डॉ. सुमीता श्रीवास्तव ने अपने स्वागत उद्बोधन में बैठक के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। इस बैठक में विद्यार्थियों के पठन.पाठन एवं उनसे जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की गई। अभिभावकों को भी महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं जैस। रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं रीडिंग रूम की जानकारी दी गई साथ ही उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए गए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. महेश श्रीवास्तव द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मीना प्रसाद ने किया। इस बैठक में विभाग के प्राध्यापक डॉ. खेमारानी दुबे, डॉ. दिनेश प्रसाद एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

दिग्विजय महाविद्यालय में जेंडर सेंसिटाइजेशन पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में पीएम उषा व महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में जेंडर सेंसिटाइजेशन पर सात दिवसीय (3 से 10 फरवरी कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन व श्रीमती सविता चंद्रवंशी के संयोजकत्व में मुक्तिबोध हॉल में संपन्न हुआ।

सात दिवसीय कार्यशाला के उदघाटन समारोह में प्राचार्य ने कहा कि महिलाओं को शिक्षित व सशक्त होने की आवश्यकता है। प्रथम दिवस में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बी. एन. जागृत उपस्थित रहीं, जिन्होंने कहा कि स्त्री की संवेदनशीलता को समझना महिलाओं के साथ.साथ पुरुषों को भी अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्त्री पैदा नहीं, होती बनाई जाती है।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस उच्च न्यायालय की अधिवक्ता प्रतीक्षा सिंह ने अपने वक्तव्य में महिलाओं व बच्चों के अधिकारों व अधिनियमों से अवगत कराया उन्होंने बताया कि महिलाओं पर अत्याचार होने का कारण उनका अशिक्षित होना है। तृतीय दिवस वक्ता के रूप में समाजसेवी मलय जैन मैम ने कहा कि

बच्चों को करें जागरूक

चतुर्थ दिवस विषय विशेषज्ञ के रूप में महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. अंजली मोहन कोडोपी उपस्थित रही उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों पर होने वाले अत्याचारों के बारे में और उनके रोकथाम के उपायों को बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्राथमिक स्तर से ही जागरूक करने की आवश्यकता है।

महिलाओं को अपने आंतरिक शक्ति को समझने की आवश्यकता है, स्त्रियां बचपन से कमजोर नहीं होती, समाज की मानसिकता कमजोर बनाती हैं।

कार्यशाला के पंचम दिवस विषय विशेषज्ञ के रूप में अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापक डॉ. अनीता साह उपस्थित रहीं जिन्होंने पितृ सत्तात्मक समाज की विचारधारा एवं उसके प्रभाव को विस्तार से बताया। छठवें दिन वक्ता के रूप में श्रीति मुंशी ने लिंग आधारित हिंसा वह भेदभाव पर विचार रखा, समाज में महिलाओं की वास्तविक स्थिति के बारे में उन्होंने विस्तार से अपने विचार प्रस्तुत की। सातवें दिवस में वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक श्रीमती ललिता साहू उपस्थित रहीं जिन्होंने लिंग आधारित हिंसा व अत्याचार पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि स्त्री सृजन की शक्ति है। सृजन की शक्ति होने के बावजूद समाज के हर क्षेत्र में नारी, हिंसा व अत्याचार का शिकार हो रही है। साथ ही विशाखा गाइडलाइन से अवगत कराया। समापन समारोह में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विद्यार्थियों से फीडबैक फॉर्म भराया गया।

कार्यशाला में सक्रिय रहे विद्यार्थियों को मोमेंटो और प्रमाण पत्र महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. नीलू श्रीवास्तव व अनीता साहा के करकमलो से वितरित किया गया। सात दिवसीय कार्यशाला का विषय प्रवर्तन संयोजक श्रीमती सविता चंद्रवंशी के द्वारा संचालन स्वयंसिद्धा झा, हेमलता साहू द्वारा, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. देहूति बंछोर, पूजा कुमारी, प्रियंका दास ने कार्यक्रम का रिपोर्टिंग कौशिक बिशी, डॉ. अजय शर्मा द्वारा, तकनीकी सहयोगी रामावतार तथा फोटोग्राफी दीपक कुमार व डॉ. सूरज पटेल द्वारा किया गया।

विश्व मानव विज्ञान दिवस मनाया गया मानव विविधता का उत्सव है - डॉ. अंजली

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में डॉ. अंजली मोहन कोडोपी की अध्यक्षता में मनाया गया यह प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के तीसरे गुरुवार को मनाया जाता है इस वर्ष 20 फरवरी को मानव विज्ञान विभाग में मनाया गया।

इस दिवस की शुरुआत मानव विज्ञान के बारे में व्यापक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य की गई थी यह उत्सव केवल एकेडमिक अनुशासन के लिए एक संकेत नहीं था बल्कि आज दुनिया के सामने आने वाली असंख्य चुनौतियां और संघर्षों को

संबोधित करने में मानव शास्त्री अंतर्दृष्टि के महत्व को पहचान व वैश्विक मुद्दों को सुलझाने और हल करने में मानव शास्त्रीय अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराने के लिए एक चिंतनशील मोड़ के रूप में कार्य करता है।

विश्व मानव विज्ञान दिवस के केंद्र में मानव विविधता का उत्सव है इसमें असंख्य संस्कृति भाषाओं सामाजिक संस्थाएं शामिल हैं जो मानव समाज की संरचना बनाती है इसी उद्देश्य को लेकर मानव विज्ञान विभाग में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने मानव शास्त्री जीवन गाथा पोस्टर प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया पोस्टर प्रतियोगिता मानसी रितिका जोशी अमीन साहू और यमुना ने बेस्ट पोस्टर बनाएं इस कार्यक्रम का संचालन मानव विज्ञान विभाग के छात्र छात्रों ने किया इस कार्यक्रम की सफलता के लिए विभागाध्यक्ष ने आभार व्यक्त किया और बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी।

कम्युनिकेशन स्किल पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय में पीएम. उषा के अंतर्गत पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में एवं कार्यशाला की संयोजक मंजरी सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 3 फरवरी से 7 फरवरी 2025 तक श्कम्युनिकेशन स्किल्सश् में किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में हमारे बीच महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता एवं विशेष वक्ता के रूप में शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव के अंग्रेजी की सहायक प्राध्यापक कुमारी पुन्यप्रदा सिंग उपस्थित थी प्राचार्य द्वारा पुण्य प्रदा के स्वागत के पश्चात अपने उद्बोधन में जीवन के हर पल में संचार कौशल की भूमिका का वर्णन किया। कुमारी पुन्यप्रदा के द्वारा संचार कौशल को विकसित करते हुए बताया कि हर जगह कम्युनिकेशन का महत्व हैद्य

कार्यशाला के दूसरे दिन दिनांक 4 फरवरी 2025 को विशेष वक्ता के रूप में बीआईटी रायपुर के प्राचार्य डॉक्टर रविशंकर पाणिकर की उपस्थिति रही थे, जिन्होंने अपने विषय स्पीक टू लर्न, लर्न टू स्पीक विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं विद्यार्थियों को बताया कि इस आधुनिक और तकनीकी युग में प्रतिदिन अपडेट होते हुए अपने जीवन को सफल बनाने के लिए कम्युनिकेशन करते समय हमें अपनी बॉडी लैंग्वेज पर विशेष ध्यान देना होगा तथा समय प्रबंधन के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

असफलता एक मील का पत्थर है, इससे सीखे व अगली बार बेहतर प्रदर्शन करें- सुश्री सुरूचि

सोशल मीडिया का उपयोग केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए करने का प्रयास करें

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा करियर काउंसलिंग के अंतर्गत आयोजित 'तनाव को दूर करने एवं सफल होने की मूल मंत्र' पर व्याख्यान में उक्त बातें जिला पंचायत सीईओ सुरुचि सिंह ने कहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. के. एल. दामले एवं डॉ. शैलेंद्र सिंह के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने सुश्री सुरुचि सिंह का जीवन परिचय दिया साथ ही उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

डॉ. सिंह ने बताया कि भारतीय राजस्व सेवा में प्रशिक्षण के दौरान सुरुचि सिंह के और उनकी टीम ने जमीन से संबंधित रिकॉर्ड संधालित करने हेतु मातृभूमि जी. ओं. एस. एप का इनोवेशन किया बाद में उनके द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष प्रस्तुत किया जो उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मुख्य वक्ता सुरुचि सिंह ने पावर पॉइंट के माध्यम से शानदार प्रस्तुति देते हुए कहा कि 'असफलता एक मील का पत्थर है इससे सीखे और अगली बार बेहतर प्रदर्शन करें'। छात्र-छात्राओं को ध्यान केंद्रित करने के लिए पोमोडोरो तकनीक का उपयोग कर सकते हैं। आपके लक्ष्य गतिशील और अनुकूलनीय होने चाहिए। तनाव जीवन का हिस्सा है उससे ऊपर उठकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। सोशल मीडिया का उपयोग केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए करने का प्रयास करें।

जीवन में सफलता पाने हेतु परिवार के साथ गुणवत्तापूर्वक समय बिताने का प्रयास करें, जिससे आपके परिवार का माहौल अच्छा बना रहे उनका मानना है की सफलता पाने के लिए जुनून का होना आवश्यक है। सफलता हेतु हमेशा सकारात्मक रवैया अपनाना चाहिए और मेहनत में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहिए।

आभार प्रदर्शन प्रो. हिरेंद्र बहादुर ठाकुर द्वारा किया गया कार्यक्रम में डॉ. एच. एस. अलरेजा, प्रो. संजय सप्तऋषि, डॉ. केशव आडिल, डॉ. अजय शर्मा, श्रीमती हेमलता साहू, प्रतीक जैन, कुमारी बिंदु डडसेना सहित एम. ए. एम. एस. सी. के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

महाविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वसंत पंचमी का पर्व

सरस्वती पूजा एवं वैदिक मंत्रों से हवन किया गया

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में संस्कृत विभाग द्वारा 03 फरवरी 2025 को महाविद्यालय में वसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में स्थित विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के समक्ष पूजा एवं हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। पुरोहित जितेंद्र झा के ब्रह्मत्व तथा डॉ. शंकरमुनि राय के सहयोग से संपन्न इस यज्ञ में संस्था के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने मुख्य यजमान के कार्य का निर्वहन किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वैदिक स्वस्तिवाचन के मंत्रोच्चारण पूर्वक प्राचार्य महोदया के तिलक करण से किया गया। तत्पश्चात् सरस्वती पूजा एवं वैदिक मंत्रों से हवन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने आहुति प्रदान की। एक घंटा पर्यंत प्रवृत्त इस कार्यक्रम की समाप्ति मां सरस्वती की आरती के साथ हुई।

विद्यार्थियों ने किया प्रसाद का वितरण

इस अवसर पर विद्या की देवी मां सरस्वती से बुद्धि एवं विद्या प्राप्ति की कामना की गई। कार्यक्रम के पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक विभाग में प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग के डॉ. ललित प्रधान, डॉ. महेंद्र नगपुरे के निर्देशन में एमए. पूर्वाद्ध एवं एम. ए. उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था में संस्था के रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा एवं श्रीमती मंजूषा बाजपेयी का विशेष सहयोग रहा। पुरोहित जितेंद्र झा के ब्रह्मत्व तथा डॉ. शंकरमुनि राय के सहयोग से संपन्न इस यज्ञ में संस्था के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने मुख्य यजमान के कार्य का निर्वहन किया।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय एवं लक्ष्य (इन्फोसीस)फाउंडेशन बैंगलुर के मध्य एमओयू

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में रोजगार के अवसर, स्किल डेवलपमेंट, आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए आज शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं लक्ष्य (इन्फोसीस)फाउंडेशन बैंगलुर के मध्य एमओयू हुआ. लक्ष्य (इन्फोसीस)फाउंडेशन बैंगलुर एक बहु प्रतिष्ठित मल्टीनेशनल कंपनी है जो स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए स्किल डेवलपमेंट कोर्स प्रोग्राम आर्गेनाइज कराती है जिनमे विद्यार्थियों को अलग अलग कोर्स के आधार पर 10 से 15 दिनों तक ट्रेनिंग दिया जाता है, एवं सफलतापूर्वक ट्रेनिंग पूरी कर लेने के बाद सर्टिफिक्केट भी दिया जाता है, जिसके आधार पर उनको विभिन्न कंपनियो जैसे की शिवम मार्ट, टेक्नो टास्क, बैंकिंग सेक्टर्स, कॉल सेंटर्स में छत्तीसगढ़ राज्य के स्टैण्डर्ड सैलरी के अनुरूप मानदेय दिया जाता है। इसमे मुख्यत: इंग्लिश लैंग्वेज, आर्टिफिशल इंटेलिजेंसी, रिज्यूम प्रिपरेशन, ग्रुप डिस्कशन, इंटरव्यू प्रिपरेशन आदि जैसे विषय शामिल है। विद्यार्थियों को दो सौ रूपये सिर्फ एक बार कोर्स के रजिस्ट्रेशन के लिए देना पड़ता है।

यह ट्रेनिंग साल में 3.4 बार हो सकती है, जो की विद्यार्थियों की संख्या पर निर्भर करेंगी। एमओयू के समय शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता एवं लक्ष्य (इन्फोसीस)फाउंडेशन बैंगलुर की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर प्रभुजीत कौर एवं प्लेसमेंट मैनेजर हिमांशु साहू ने एग्रीमेन्ट पर साइन किया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय ठिसके, डॉ. डाकेश्वर कुमार वर्मा एवं रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा उपस्थित थे।

डॉ शबनम व शंकर सिंह को दी गई विदाई

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छत्तीसगढ़ में कार्यरत वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पदोन्नत प्राचार्य डॉ. शबनम खान (गणितद्ध एवं शंकर सिंह (भृत्यद्ध के विदाई समारोह का आयोजन किया गया।समारोह के प्रारंभ में सर्वप्रथम संस्था की प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने पुष्प कगुच्छ देकर डॉ. शबनम खान मैडम एवं शंकर सिंह ठाकुर का स्वागत किया। मंच का संचालन करते हुए डॉक्टर शैलेंद्र सिंह ने डॉक्टर खान के साथ अपने लंबे अनुभव का साझा करते हुए बताया कि वे सरल और सहज स्वभाव के लिए जानी जाती है। उन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष इस महाविद्यालय को दिया और गणित के क्षेत्र में उन्होंने शोध कार्य में भी बेहतर कार्य किया। उन्होंने स्वशासी परीक्षा नियंत्रक के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाविद्यालय को उनकी कमी हमेशा खलेगी। शंकर सिंह ठाकुर ने भी अपने कार्यकाल का अधिकांश समय दिग्विजय महाविद्यालय में बिताया एवं उन्होंने भी अपने कर्तव्यपरायणता से महाविद्यालय में एक अलग छाप छोड़ी है। तत्पश्चात गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. के के देवांगन ने डॉक्टर खान के साथ अपने अनुभव को साझा किया। प्राचार्य महोदया ने अपने उद्बोधन में बताया कि डॉ. खान जैसे अनुभवी प्राध्यापकों का जाना महाविद्यालय के लिए एक अपूरणीय क्षति है। हम सौभाग्यशाली थे कि हमें उनके अनुभव का लाभ मिला। उक्त विदाई समारोह में डॉ. शबनम खान एवं शंकर ठाकुर के परिवार के सभी सदस्य एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक सहायक प्राध्यापक एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे।

नारी सशक्तिकरण विषय पर रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी सशक्तिकरण विषय पर रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन तथा समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ए के मंडावी एवं समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू के मार्गदर्शन में किया गया। प्राचार्य महोदया ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्त्री समाज का आधार स्तंभ है सृष्टि की सृजनकर्ता है। देश का वर्तमान व भविष्य है। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अग्रणी है समाज, राजनीति, विज्ञान, अनुसंधान तकनीक, प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र में महिलाएं अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। समाजकार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू ने अपने संबोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का उद्देश्य है समाज में लिंग आधारित भेदभाव को मिटाना एवं महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष स्थापित करना है। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। विजित प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एके मंडावी, समाजकार्य विभागाध्यक्ष ललिता साहू एवं अन्य प्राध्यापक गण डॉ. प्रियंका लोहिया, सुश्री तारिणी साहू, श्रीमती चित्रांशा राठौर एश्रीमती शालिनी सोनी एडॉ अंजली मोहन कोडोपी, डॉ श्रद्धा साहू एडॉ अनीता साहा, मंजरी सिंह एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

अनुसंधान का मानव समाज के लिए कल्याणकारी हो - डॉ. दिनेश

समाज कार्य विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम प्राचार्य श्रीमती डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन व समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उक्त व्याख्यान हेतु मुख्य वक्ता के रूप में कल्याण महाविद्यालय सेक्टर 7 से समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. केएन दिनेश को आमंत्रित किया गया। उनके द्वारा सामाजिक अनुसंधान पद्धति विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि अनुसंधान का समाज में विशेष महत्व है। सर्वप्रथम अनुसंधान का विषय किस प्रकार से चयन करें जो मानव समाज के लिए कल्याणकारी हो तथा किसी सामाजिक समस्या के निराकरण में सहायक हो।

विीय जागरूकता एवं बैंक में बचत योजना विषय पर व्यायान

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय राजनांदगांव में महिला प्राध्यापकों एवं स्टाफ हेतु वित्तीय जागरूकता एवं बैंक में बचत योजना विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में तथा समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू के मार्गदर्शन में किया गया। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत जेना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड राजनांदगांव द्वारा बैंक में बचत एवं वित्तीय साक्षरता पर व्याख्यान दिया गया। उक्त कार्यक्रम में संस्था से आए बैंक मैनेजर धनंजय सिंह द्वारा बैंक में बचत,ऋण व्यवस्था तथा ब्याज दर, पॉलिसी के संबंध में विस्तार से बताया गया।

कार्यक्रम के समापन में उक्त संस्था के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी महिला प्राध्यापकों को पौधे वितरित किए गए एवं महिला दिवस की शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण महिला उपस्थित रहे।

भौतिक शास्त्र विभाग के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता द्वारा की गई। प्राचार्य ने छात्रों को एक वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया और आउट ऑफद बॉक्स सोचने को कहा जिससे हम कुछ अलग और नया कर सके।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिलाई से एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी डॉ. ध्रुव प्रताप सिंह रहे। डॉ. सिंह ने समाज और विज्ञान को जोड़ते हुए अपने व्याख्यान में विभिन्न भारतीय वैज्ञानिकों के बारे में बताया कि कैसे भारत एक विश्व गुरु हुआ करता था। उन्होंने बताया कि कैसे सी वी रमन ने रमन प्रभाव की खोज की और कैसे उन्हें 28 फरवरी 1930 को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. सीवी रमन न केवल भारत के अपितु वे एशिया के पहले वैज्ञानिक थे जिन्हें भौतिकी के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार दिया गया। डॉ. सिंह के साथ उनके चक के छात्र हेमंत साहू भी आए जो कि महाविद्यालय के पूर्व छात्र व अतिथि व्याख्याता रह चुके हैं। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के इस वर्ष का थीम विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना था जिसमें

एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र नागेंद्र और एमएससी द्वितीय सेमेस्टर के छात्र चैतन्य साहू ने भाषण के माध्यम से डॉ. सीवी रमन की जीवनी और भारत किस तरह युवाओं की सहायता से विकसित राष्ट्र बन सकता है उसके बारे ने बताया। तत्पश्चात महाविद्यालय के परिसर में एमएससी के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें वर्तमान समय में उपयोग होने वाले नये नये तकनीक जैसे । प्ए रोबोट, मोबाइल इत्यादि का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण उपयोग बताया साथ ही इस विज्ञान के उन आयामो पर भी प्रकाश डाला गया जिसके माध्यम से आज कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उसके पश्चात पोस्टर प्रतियोगिता हुआ जिसमें 7 समूह ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में समूह 2 प्रथम स्थान, समूह 1 द्वितीय स्थान तथा समूह 6 तृतीय स्थान पर रही। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा किट प्रदर्शिनी भी रखा गया था जिसमें विद्याथियों के द्वारा बहुत सारे किट डिज़ाइन किए गए थे जैसे . टचलेस डोरबेल, पावर सप्लाई, मोनो स्टेबल, अ स्टेबल, फ्लिप फ्लॉप स्म्क् लेज़र, रैन डिटेक्टर, वायरलेस पॉवर ट्रांजिस्टर, अर्थक्वेक डिटेक्टर, थ्री इन वन कंट्रोल रोबोटिक कार इत्यादि। इसमें भौतिक शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति बाला टांक, अतिथि व्याख्याता डॉ. आर के देशमुख, एन के बंजारे और आद्याचरण मिश्रा के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर के 100 छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

विद्यार्थियों को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में द्वितीय व क्विज स्पर्धा तृतीय स्थान

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन तथा भू विज्ञान विभाग की व्याख्याता सृष्टि शर्मा के निर्देशन में बीएससी छठवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण रायपुर विजिट किया जहां अन्य महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी शामिल थे।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा आयोजित मॉडल प्रस्तुति एवं क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें प्रगति, दीपा, वंशिका, डोली एवं आयुषी ने मॉडल प्रस्तुति में द्वितीय एवं क्विज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी भूवैज्ञानिकों एवं एसएसआई के डायरेक्टर अमित सोनी ने दिग्विजय महाविद्यालय की सराहना की।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने विद्यार्थियों की मेहनत को सराहते हुए भविष्य में इस प्रकार की प्रतियोगिता में भाग लेते रहने की बात कही। महाविद्यालय के रजिस्टार दीपक परगनिहा ने विद्यार्थियों तथा व्याख्याता सृष्टि शर्मा को इस उपलब्धी के लिए बधाई दी।

०० माइक्रो प्लास्टिक श्वेत...

प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने सत्र की शुरुआत में अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन एक ज्वलंत मुद्दा है। यहां सेमिनार स्वयं के लिए समाज और देश के लिए हितकारी साबित होगा ऐसा मेरा विश्वास है। सेमिनार संयोजक डॉ. किरण लता दामले प्रथम दिवस के कार्यक्रमों की समीक्षात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में विभागीय प्रध्यापक डॉ. संजय ठिसके, डॉ. माजिद अली, प्रो. गुरप्रीत भाटिया एवं चिरंजीवी पांडेय सहित सेमिनार में देश-विदेश के विद्वान प्रतिभागी एवं विद्यार्थीगण हाइब्रिड मोड़ से जुड़े थे । सेमिनार का संचालन प्रियंका सिंह और वंदना मिश्रा ने किया । प्राणी शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा अतिथियों के लिए सत्र के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

००तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

इस कार्यक्रम में विभागीय, प्राध्यापक डॉ. संजय ठिसके, डॉ. माजिद अली, प्रो. गुरप्रीत भाटिया एवं चिरंजीवी पांडेय, जागृति चन्द्राकर सहित सेमिनार में देश-विदेश के विद्वान प्रतिभागी एवं विद्यार्थीगण हाइब्रिड मोड़ से जुड़े थे । सेमिनार का संचालन प्रियंका सिंह और वंदना मिश्रा ने किया। प्राणी शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा अतिथियों के लिए सत्र के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी ।

===========================

०० अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नेपाल से आये

प्रथम पेज का शेष न्यूज

डॉ गोपाल अश्क सदस्य भाषा आयोग काठमांडू ने भारतीय साहित्य और विभिन्न भाषाओं का मोल बताया उन्होंने कहा भारत और नेपाल का संबंध ऐसा है जैसे स्वयं राम और सीता का संबंध हो । प्रथम सत्र का संचालन डॉक्टर अनीता साहा ने एवं धन्यवाद ज्ञापन चंदन सोनी ने किया। दूसरे सत्र में विदेशों में भारतीय साहित्य और संस्कृति पर चर्चा की गई जिसकी अध्यक्षता डॉ लिटन बैरन सिकदर (बांग्लादेश) ने की। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन वीडियो से जुड़ी डॉ नूपुर अशोक (कवित्री ऑस्ट्रेलिया) विदेश में भरतीय संस्कृति को विशिष्ट व्यख्यान सत्र में डॉ शंकर मुनी रॉय विभागाध्यक्ष हिंदी ने भारतीय साहित्य के ऐतिहासिक विकास और उसकी वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती बिंदु डनसेना एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ बी एन जाग्रत के द्वारा किया गया। संगोष्ठी के पहले दिन की समाप्ति प्रतिभागियों के शोधपत्र वाचन के साथ हुई। इस पूरे आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय साहित्य की वैश्विक प्रासंगिकता को समझना और इसे नए दृष्टिकोण से देखने का अवसर प्रदान करना है।

०० संगोष्ठी के द्वितीय दिवस

द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता लिटन बैरन सिकदर ने अपने उद्बोधन में भारतीय साहित्य और बंग्ला साहित्य के सामनाता पर चर्चा किया और उन्होंने बांग्ला साहित्यकार गुरु रवींद्रनाथ टैगोर, अरुंधति रॉय, झुंपा लहरी, भारतीय मुखर्जी इन सभी साहित्यकारों के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा की कोई भी भाषा और उनका उद्देश्य प्रेम, करुणा, दया और मानवता जैसे भाव पर आधारित है बांग्ला साहित्य में भारतीय साहित्य की छाप दिखाई देती है। भारतीय साहित्य के मूल आधार पर आधारित है। 16 शोधार्थियों ने ऑनलइन एवं ऑफलाइन शोध पत्र वाचन किये।

शोधर्थियों के शोध पत्र की समीक्षा डॉ. इंद्रदेव तिवारी ने किया। मंच संचालन डॉ. प्रवीण साहू हिंदी विभाग, डॉ. ललित प्रधान संस्कृत विभाग और डॉ. अनीता शंकर अंग्रेजी विभाग ने किया। कार्यक्रम के अंत में विधार्थियो द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम संपन्न किया गया।

०० तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न

हिंदी अंग्रेजी और संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी शोध प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया साथ ही वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व श्रीफल भेट किया गया, कार्यक्रम का संचालन डॉ. आराधना गोस्वामी व आभार प्रदर्शन डॉ.मंजरी सिंह ने किया।

महिला विकास के अंतर्गत वर्ली तथा बस्तर कला पर पाँच दिवसीय कार्यशाला

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 17.03.25 से 21.03.25 तक पीएम ऊषा एवं महिला सेल के संयुक्त तत्वावधान में महिला विकास के अन्तर्गत वर्ली तथा बस्तर कला पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को कला का प्रशिक्षण देकर उन्हें इसी क्षेत्र में रोज़गार के अवसर प्रदान करना है। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती नीलिमा सोनूले, पूर्व अकादमीशियन एवं प्रशिक्षक छत्तीसगढ़ शिल्प बोर्ड हैं। इस कार्यशाला के प्रथम दिन पेपर पर पेंसिल से स्ट्रोक्स सिखा, गये जिसमें हाथीपाओ, करेला चानी, लौंग फूल, मछली काँटा, धमधा डांस आदि मुख्य थे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने इस पहल की सराहना की तथा आयोजन समिति के सदस्यों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा की इस तरह कि आयोजनों से छात्राओं के लिए रोज़गार के नये अवसर सृजित होंगे।

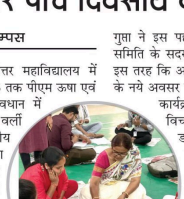

कार्यक्रम की रूपरेखा तथा इस रचनात्मक विचार का श्रेय महाविद्यालय की संयोजक डॉ. अनीता साहा को जाता है जिन्होंने केवल कार्यशाला को नियमित ढंग ने ना आयोजित कर एक अनूठे ढंग से आयोजित करने का प्रस्ताव रखा और आयोजन समिति ने उसके क्रियानवन का जिम्मा लिया। सुश्री वंदना मिश्रा कार्यक्रम की संयोजक हैं साथ ही डॉ. श्रद्धा साहू, डॉ. रेणु वर्मा तथा सुश्री तरुणा वर्मा संयोजन समिति के सदस्य हैं। कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर भी विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों की भागीदारी देखने लायक़ रही। दूसरे दिन पेंट ब्रश से पेपर तथा मिट्टी के पॉट्स पर अलग अलग स्ट्रोक्स सिखाये गये।